7A

Q.6 अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by International Environment?

Ans. आधुनिक युग में प्रत्येक व्यावसायिक संस्थान देश की अर्थ-व्यवस्था के साथ-साथ अप्रत्यक्ष रूप से अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले आर्थिक-सामाजिक परिवर्तनों से व्यवसाय भी प्रभावित होता है। अतः संस्था के स्थायित्व तथा लाभदायकता को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली इन व्यापक घटनाओं का विश्लेषण किया जाए।

Q.7 वैधानिक वातावरण से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by Legal Environment?

Ans. व्यवसाय तथा कानून में परस्पर घनिष्ठ संबंध है। प्रबंधकों को हमेशा कानून के दायरे में ही काम करना पड़ता है। प्रत्येक संस्था कानून के विशाल जाल से घिरा हुआ है। वैधानिक वातावरण जहाँ एक ओर अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करता है वहीं दूसरी ओर यह अनेक प्रतिबंध तथा बाधाएँ भी उत्पन्न करता है।

વૈધાનિક વાતાવરણ કે અન્તર્ગત વિભિન્ન કાનૂની નીતિયાં, વિભિન્ન વૈધાનિક નિયંત્રણ, શ્રમ-સંબંધી કાનૂન, (Labour Laws), ઉપભોક્તા સંરક્ષણ અધિનિયમ (Consumer Protection Act), વ્યાવસાયિક કાનૂન (Business Laws), ઔદ્યોગિક અધિનિયમ, સામાજિક કાનૂન, આદિ આતે હૈં। જૈસે —

1. કમ્પની અધિનિયમ - Company Act
2. અનુબંધ અધિનિયમ - Contract Act
3. વસ્તુ-વિક્રય અધિનિયમ - Sales of Goods Act
4. કારખાના અધિનિયમ - Factory Act
5. ઔદ્યોગિક વિવાદ અધિનિયમ - Industrial Dispute Act
6. ન્યૂનતમ મજદૂરી અધિનિયમ - Minimum Wages Act
7. કર્મચારી ક્ષતિપૂર્તિ અધિનિયમ - Workers Compensation Act
8. આયાત-નિર્યાત નિયંત્રણ અધિનિયમ
   Import and Export Control Act
9. વિદેશી વિનિમય નિયમન અધિનિયમ (FERA)
   Foreign Exchange Regulation Act
10. સાર્વજનિક વિતરણ નીતિ -
    Public Distribution Policy
11. લાઇસેંસિંગ નીતિ - Licencing Policy
12. સાઝેદારી અધિનિયમ - Partnership Act
13. પૂંજી નિયંત્રણ અધિનિયમ
    Control of Capital Issue Act,

આવશ્યક કાનૂની અનુમતિયાં આદિ વૈધાનિક વાતાવરણ કે તત્વ કહે જા સકતે હૈં। ઇન સબકી આવશ્યકતાનુસાર પ્રબંધકોં કો જાનકારી હોની ચાહિએ।

સરકાર કે તીનોં અંગ અર્થાત વિધાયિકા (Legislature), પ્રશાસકીય (Executive), તથા ન્યાયપાલિકા

(Judiciary) व्यवस्थापन तथा उनके प्रबंध को प्रभावित किए बिना नहीं रहती। विधायिका किसी कार्यवाही का निर्धारण करती है। सरकार विधायिका द्वारा लागू गई कार्यवाही को लागू करती है तथा न्यायपालिका विधायिका तथा प्रशासकीय दोनों के कार्यों को देखती है कि उनके द्वारा किए गए कार्य जनहित में हैं तथा संवैधानिक सीमा के अन्तर्गत किए गए हैं।